



kundan



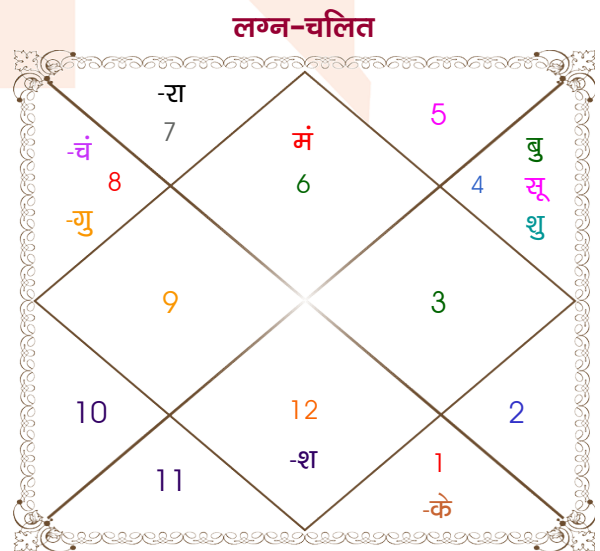
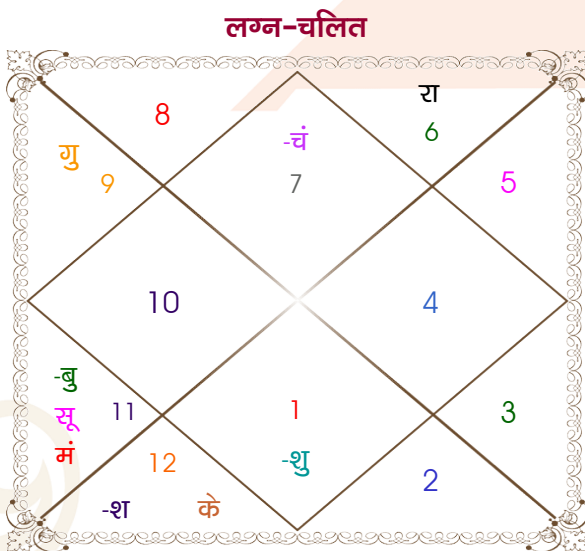
seema

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121835004

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
08/03/1996 :	जन्म तिथि	: 05/08/1995
शुक्रवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 22:39:00 :	जन्म समय	: 10:39:00 घंटे
घटी 41:10:59 :	जन्म समय(घटी)	: 13:11:53 घटी
India :	देश	: India
Buxur :	स्थान	: Varanasi
25:35:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:20:00 उत्तर
84:00:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:00 :	स्थानिक संस्कार	: 00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:10:36 :	सूर्योदय	: 05:26:38
17:59:17 :	सूर्यास्त	: 18:40:59
23:48:20 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:54

विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 4मा 19दि गुरु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 0वर्ष 10मा 15दि बुध
28/07/2015	27:33:00	तुला	लग्न	कन्या	27:24:22	21/06/2015
28/07/2031	24:36:42	कुंभ	सूर्य	कर्क	18:32:23	20/06/2032
गुरु	04:01:35	तुला	चंद्र	वृश्चि	02:36:13	बुध
शनि	23:43:44	कुंभ	मंगल	कन्या	15:07:08	केतु
बुध	08:10:48	कुंभ	बुध	कर्क	27:13:47	शुक्र
केतु	19:10:11	धनु	गुरु	वृश्चि	11:44:31	सूर्य
शुक्र	09:07:12	मेष	शुक्र	कर्क	14:11:24	चन्द्र
सूर्य	02:32:34	मीन	शनि	मीन	00:13:54	मंगल
चन्द्र	23:28:57	कन्या	राहु	तुला	06:05:27	राहु
मंगल	23:28:57	मीन	केतु	मेष	06:05:27	गुरु
राहु	09:18:00	मक	हर्ष	मक	04:07:29	शनि
	04:03:2029	मक	नेप	धनु	29:51:41	
	28/07/2031	09:18:28	वृश्चि	वृश्चि	04:01:17	
			प्लूटो	वृश्चि		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

kundan का वर्ग मृग है तथा seema का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार kundan और seema का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

kundan मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम भाव में स्थित है।

seema मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि kundan कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

kundan तथा seema में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।